St. Xavier's
World School

कक्षा – 6

पाठ – 1 वह चिडिया जो (कविता)

कविता का सार

कवि के केदार नाथ द्वारा रचित 'वह चिड़िया जो' कविता में कवि ने माध्यम से मनुष्य से मनुष्य के महत्वपूर्ण गुणों का वर्णन किया है । कवि कवि कल्पना में एक ऐसी नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया है जो स्वभाव से संतोषी है, जिसे अन्न से बहुत प्यार है । वह बड़ी लगन से सघन वन में मधुर स्वर से गाती है । वह एकांत में भी बड़े उत्साह से रहती है तथा उफनती नदी के भीतर गहराई में जाकर मोती के समान बूंदों को अपनी चोंच में भर लाती है । उस चिड़िया को अपने साहसी होने पर गर्व है।

पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नः–

प्र01 प्रकृति ने मानव के अतिरिक्त अन्य कितने सजीव प्राणियों को निर्मित किया है?
उ0 प्रकृति ने मानव के अतिरिक्त पशु, पक्षी, कीट पंतगों एंव सामन्य वनस्पतियों को सजीव प्राणियों के रूप में निर्मित किया है।

प्र02 चिडिया क्या खाती है?
उ0 चिड़िया अनाज के दाने खाती है।

प्र03 क्या अपने नीले पंख वाली चिडिया देखी है??
उ0 हाँ देखी है। नीलकंठ भी नीलेपंख की चिड़ियाँ है।

शब्द अर्थ

शब्द	**अर्थ**
1. जुडी	जौ और बाजरे की बालियाँ
2. विजन	निर्जन या एकांत स्थान
3. गरबीली	गर्व करने वाली
4. अन्न	अनाज

अति लघु प्रश्न

प्र01 तुम्हें कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो?

उ0 प्रस्तुत कविता का शीर्षक नीले पंखो वाली चिडिया, प्यारी चिडियाँ एंव गर्बीली चिडिया भी हो सकता है।

प्र02 कवि ने नीली चिडिया का नाम नही बताया है। वह कौन–सी चिडिया रही होगी? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए पक्षी–विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक 'भारतीय पक्षी' इनमें ऐसे पक्षी भी शामिल हैं जो जाडे में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से भारत आते है। उनकी पुस्तक को देखकर तुम अनुमान लगा सकते हो िकइस कविता में वर्णित नीली चिडिया शायद इनमें से कोठ एक रही होगी –

नीलकंठ
छोटा किलकिला
कबूतर
बडा पतरिंगा

उ0 इस कविता मे वर्णित नीली चिडिया शायद नीलकंठ रही होगी।

St. Xavier's World School

लघु प्रश्न

प्र01 कविता पढकर तुम्हारे मन में चिडिया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज पर बनाओ?

उ0 'वह कविता जो' कविता को पढ़कर हमारे मन में चिड़िया का कुछ इस तरह चित्र उभरता है–

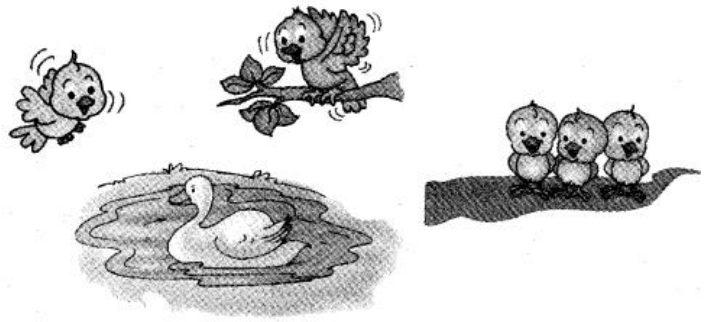

1. चिडिया के पंख चमकीले नीले और आकर्षक है।
2. चिडिया का आकार छोटा है।
3. वह जंगल में गाती – फिरती है।
4. वह नदी का पानी पीती है।

प्र02 इस कविता के आधार पर बताओ कि चिडिया को किन–किन चीजों से प्यार है?

उ0 इस कविता में चिडिया को खेतों में लगे जौ–बाजरों की फलियाँ (अन्न) से प्यार है। उसे जंगल में मिले एकान्त, जहाँ पर वह खुली हवा में गाना गा सकती है से प्यार है। उसे नदी से प्यार है जिसका ठंडा और मीठा पानी वह पीती है। यह चीजें उसे आजादी का एहसास दिलाती है। इसलिए वह इन सब से प्यार करती है।

प्र03 नीचे कुछ पक्षियों के नाम दिए गये हैं। उनमें यदि कोई पक्षी एक से अधिक रंग का है तो लिखो कि उसके किस हिस्से का रंग कैसा है। जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है।

उ0 मैना – काले रंग की होती है, इसकी चोंच पीली होती है।
कौवा – चोच एंव पंख दोनो काले होते है।
बतख – सफेद रंग की होती है, इसके चोंच और पाँव पीले होते हैं।
कबूतर – सफेद या धूसर ग्रग का होता है।

प्र04 कविता का हर बंध 'वह चिडिया जो –' से शुरू होता है और 'मुझे बहुत प्यार है' पर खत्म होता है। तुम भी इन पंक्तियों का प्रयोग करते हुए अपनी कल्पना से कविता में कुछ नये बंध जोडो।

उ0

वह चिडिया जो– फुदक फुदक कर नील गगन की सीमा पाने पंख पसारे उड़जाती है वह छोटी फुर्तीली चिडिया नीले पंखोंवाली मैं हूँ मुझे गगन से बहुत प्यार है।	वह चिडिया जो– रोज सवेरे नियत समय आँगन में तेरे तुझे उठाने आ जाती है चूँ–चूँ करती छोटी चिडिया नीले पंखोंवाली मैं हूँ मुझे सुबह से बहुत प्यार है।

प्र05 तुम भी ऐसी कल्पना कर सकते हो कि 'वह फूल का पौधा जो–पीली पंखुड़ियों वाला महक रहा है–मैं हूँ।' उसकी विशेषताएँ मुझ में हैं.....। फूल के बदले वह कोई दूसरी चीज भी हो सकती है जिसकी विशेषताओं को गिनाते हुए तुम उसी चीज से अपनी समानता बता सकते हो.... ऐसी कल्पना के आधार पर कुछ पंक्तियाँ लिखो।

उ0

St. Xavier's World School

वह फूल का पौधा जो– हवा में झूलता आँगन में खड़ा मुस्करा रहा है खुशबू अपनी फैला रहा है पीली पंखुड़ियों वाला पौधा मैं हूँ मुझे हवा से बहुत प्यार है।	वह फूल का पौधा जो– खिलता – मुरझाता पर खुशबू से नाता सदा निभाता है मुरझाने पर भी सुगंध ही देता पीली पंखुड़ियों वाला पौधा मैं हूँ मुझे महक से बहुत प्यार है।

दीर्घ प्रश्न

प्र01 आशय स्पष्ट कीजिए–

क– रस उँडेलकर गा लेती है

सदर्भः– प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक 'बंसत भाग–1' 'वह चिडिया जो' नामक कविता से ली गई है। इसके रचियता कवि 'केदारनाथ अग्रवाल' है।

प्रसंगः– प्रस्तुत पंक्ति में कवि ने अपने स्वभाव में कल्पित चिडिया की मधुर स्वर में गााने की विशेषता का वर्णन किया है।

आशय– कवि प्रस्तुत पंक्तियों में चिडिया की मधुर वाणी के संबंध में कहता है कि चिडिया वन के सुन्दर, शांत, स्वच्छ प्रकृति से प्रेरित हो, प्रसन्न मन से चिडिया का उन्मुक्त कंठ से गाया हुआ गीत ऐसा प्रतीत होता है जैसे वन बाबा को प्रसन्न करने के लिए मधुर गीत गा रही हो एंव मधुरता का रस बिखरा रही हो। चिडिया जंगल में स्वतंत्र रूप से रहती है। उसे किसी तरह का बंधन नही है। स्वतंत्र होने के कारण ह ीवह अत्यंत मधुर स्वर में गाती है। उसका स्वर बहुत मीठा है।

ख– चढी नदी का दिल टटोलकर जल का मोती ले जाती है।

सदर्भः– प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक 'बंसत भाग–1' 'वह चिडिया जो' नामक कविता से ली गई है। इसके रचियता कवि 'केदारनाथ अग्रवाल' है।

प्रसंगः– प्रस्तुत पंक्ति में कवि ने अपनी कल्पना की चिडिया के परिश्रम का सुदंर वर्णन किया है।

आशय– कवि चिडिया की सार्मथयता पर प्रकाश डालते हुए कहता है कि नीले पंखो वाली चिडिया चढ़ी नदी (अर्थात् अधिक जल से परिपूरित) नदी में से भी जल की मोती सी बूँदों को अपनी चोंच में भर लेती है। उसका साहस देखकर एंसा प्रतीत होता है जैसे नदी ह्रदय टटोलकर, ढूँढकर जल रूपी मोती ले आई हो। ीचीडया स्वतंत्र होने के कारण ही वन उपवन, पर्वत, नदी कहीं भी जा सकती है। चिडिया लबालब भरी नदी की अथाह जलराशि का अनुमान लगाती है और उस जल राशि में से जल का मोती लाती है अर्थात उसी पानी से चिडिया अपनी प्यास बुझाती है, अतः हम कह सकते है पानी मोती के ही समान अमूल्य है।

अभ्यास कार्य–

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करिए

1. अन्न अनाज

वाक्य प्रयोग किसान दिन रात खेतों में परिश्रम करके देशवासियों के लिए अन्न उगाता है ।

2. विजन निर्जन

वाक्य प्रयोग विजन स्थान पर एक नदी बह रही थी ।

भाषा की बात

प्र01 पंखोंवाली चिडिया **ऊपरवाली दराज**

नीले पंखोंवाली चिडिया **सबसे ऊपर वाली दराज**

- **यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे है। ये शब्द चिडिया और दराज संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, अतः रेखांकित शब्द विशेषण हैं और चिडिया, दराज विशेष्य हैं। यहाँ'वाला/वाली' जोडकर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों की तरह इनके आगे एक–एक विशेषण और जोडो–**

..... **मोरों वाला बाग**

..... **फूलों वाली क्यारी**

St. Xavier's World School

.....	**पेड़ों वाला घर**
.....	**स्कूल वाला रास्ता**
.....	**हँसने वाला बच्चा**
.....	**मूँछों वाला आदमी**
उ0 1– पेड़ों वाला बाग	मोरों वाला बाग
2– पौधो वाली क्यारी	फूलों वाली क्यारी
3– फूलों वाला घर	पेड़ों वाला घर
4– घर वाला रास्ता	स्कूल वाला रास्ता
5– खेलने वाला बच्चा	हँसने वाला बच्चा
6– टोपी वाला आदमी	मूँछों वाला आदमी

प्र02 वह चिडिया ..... जुंडी के दाने रूचि से .....खा लेती है।
वह चिडिया .....रस उँडेलकर गा लेती है।

- **कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढा। पहले वाक्य में 'रूचि से' खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेलकर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे है। अतः ये दोनों क्रियाविशेषण है। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रियाविशेषण छाँटो–**

क– सोनाली जल्दी–जल्दी मुँह में लड्डू ठूँसने लगी।
ख– गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई।
ग– भूकंप के बाद जनजीवन धीरे–धीरे सामान्य होने लगा।
घ– कोई सफेद सी चीज धप्प से आँगन में गिरी।
ड़– टॉमी फुर्ती से चोर पर झपटा।
च– तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गई है।
छ– आज अचानक ठंड बढ़ गई है।

उ0 क– सोनाली **जल्दी–जल्दी** मुँह में लड्डू ठूँसने लगी।
ख– गेंद **लुढ़कती** हुई झाड़ियों में चली गई।
ग– भूकंप के बाद जनजीवन **धीरे–धीरे** सामान्य होने लगा।
घ– कोई सफेद सी चीज **धप्प से** आँगन में गिरी।
ड़– टॉमी **फुर्ती से** चोर पर झपटा।
च– तेजिंदर **सहमकर** कोने में बैठ गई है।
छ– आज **अचानक** ठंड बढ़ गई है।

उच्च तार्किक क्षमता के प्रश्नः–

प्र01 सर्दियों के मौसम में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से कौन–कौन से पक्षी भारत आते हैं?
उ0 सर्दियों के मौसम में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से निम्न पक्षी भारत आते हैं–

1– ब्लू थ्रोट
2– वैगटेल्स
3– ग्रेटर फलामिनगो
4– स्टारलिंग
5– हैरियरस
6– पीग्रेन फाल्कोन
7– औस्प्रे
8– पैसेफिक गोल्ड़न प्लोवर

प्र02 विभिन्न चिड़िया के निवास स्थान के संबंध में लिखिए।
चिडिया ,तोता, कौआ, कबूतर– घोसला
उ0 अधिकांशतः सभी चिडिया का निवास स्थान घोंसला कहलाता है। और घोंसले को हम घरों की खिडकियों, वृक्षों, निर्जन स्थानों पर आसानी से देख सकते हैं।

St. Xavier's World School

मूल्यपरक प्रश्नः–

प्र01 अपने मनोरंजन के लिए पक्षियों का शिकार करना कहाँ तक उचित है? तर्क सहित लिखिए

उ. अपने मनोरंजन के लिए पक्षियों का शिकार करना कदापि उचित नहीं माना जा सकता। यह नैतिकता के विरूद्ध है, इसके हत्या का नाम भी दिया जा सकता है। प्राचीन काल में सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) की प्रचलित एक कहानी से भी स्पष्ट होता है कि मारने वाले से बचाने वाला कहीं श्रेष्ठ होता है। जब सिद्धार्थ के पास आकर से एक घायल पक्षी गिरा तो करूणा से ओत–प्रोत उनके हृदय ने तुरन्त उसकी सेवा के लिए प्रेरित किया इसी पक्षी प्रेम से प्रेरित उन्होंने सिद्ध कर दिया कि पक्षी पर उनका अधिकार हैं न कि शिकारी का यही घटना सिद्ध करती है कि मनोरंजन के लिए पक्षियों का शिकार कदापि उचित नहीं।

पाठ पर आधारित रचनात्मक मूल्यांकन

विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के चिडियों के चित्र एकत्रित करके किसी चार्ट पेपर पर लगाकर उनके नाम भी लिखेंगे।

उ0

कौआ

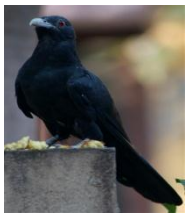

कोयल

गरूड़

उल्लू

मोर

कबूतर

तेता

मैना

सारस

St. Xavier's World School

पाठ – 2 बचपन

पाठ का सारांश

लेखिका बच्चों को अपने बचपन के बारे में कुछ बताना चाहती है। वह पिछली शताब्दी में पैदा हुई थी। उसमें अब सयानापन आ गया है । बचपन में वह रंग बिरंगे कपड़े पहनती थी, पर अब वह रंग के कपड़े पहनती है । उसे बचपन के फ्राकों के विषय में अब भी याद है । उसे अपने मोजे भी खुद धोने पड़ते थे । रविवार की सुबह जूतों को पॉलिश करना अच्छा लगता है । पहले जूते इतने आरामदेह नहीं होते थे उनके काटने से घाव हो जाता था और उसका इलाज कराना पड़ता था । शनिवार को कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था । उन दिनों आज की तरह रेडियों और गर्मियों में कोक–पेप्सी की जगह शहतूत, फाल्से और खसखस के शर्बत । उसे पेस्ट्री और चॉकलेट पसंद थी, जिसे वह रात के खाने के बाद आराम से बिस्तर में लेटकर मजे से खाती थी । उसे शिमला के काफल, चना जोर गरम और अनारदाने का चूर्ण खूब पसंद करता था ।

लेखिका ने शिमला रिज पर खुब मजे किए है । शाम के समय रंगीन गुब्बारे, सामने जाखू का पहाड़, चर्च की बजती घंटियाँ और इसका संगीत मनोहारी था । उसे सूर्यास्त का दृश्य बहुत सुहावना लगता था । उस समय इतनी तेज रफ्तार वाली रेलगाड़ियाँ भी नहीं थी । हवाई जहाज तो कभी–कभी देखने को मिलते थे ।

लेखिका को शुरू–शुरू में चश्मा लगाना अठपटा लगता था । डॉक्टर ने उससे कहा था कि उसका चश्मा कुछ दिनों बाद उतर जाएगा किन्तु वह रही उतरा । पहली बार चश्मा लगाने किपर उसके चचरे भाई उसे छेड़ते थे । और चिढ़ाते थे कि उसको सूरत लंगूर जैसी लग रही है । लेखिका के लिए उनका वह चश्मा चेहरे का एक अंग बन गया है । लेखिका ने उसके हिमाचली टोपियाँ इकट्ठी कर रखी है । जिन्हें वह वर्तमान समय में भी लगाना पसंद करती है ।

पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नः–

प्र01 क्या आप मानव जीवन की चार आवस्थाओं के संबंध में जानते हैं?
उ0 मानव जीवन की चार अवस्थाएँ बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, वृद्धावस्था है।

प्र02 संस्मरण किसे कहते हैं?
उ0 संस्मरण– कोई विगत घटना जो हमारे मस्तिष्क में अंकित रहती है और कुछ समय उपरान्त जब हम उसे स्मरण करके उसे शब्दों का रूप देते है तो वह लिखित घटना संस्मरण कहलाती है।

शब्द–अर्थ

शब्द	अर्थ
1. गंध	महक
2. बुरकवाना	छिड़कवाना (ऊपर से डालना)
3. छुट्पन	बचपन
4. आश्वासन	तसल्ली
5. स्टॉकिंग	लंबी जुराब
6. चुन्नठ	सिलवट
7. कैस्टर	अरंडी का तेल
8. गरारा	ढीली मोहरी का पाजमा
9. ऑलिव	ऑयल जैतून का तेल
10. आस्तीन	कपड़े से बनी बाँह

अति लघु–

प्र01 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या–क्या काम करती है?
उ0 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी और जूते पॉलिश करती थी।

St. Xavier's World School

प्र.2 लेखिका के बचपन में हवाई जहाज की आवाजें, घुड़सवारी, ग्रामोफोन और शोरूम में शिमला–कालका ट्रेन का मॉडल ही आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़ें तुम्हें आकर्षित करती हैं? उनके नाम लिखो।
उ. आज हमें माबाईल क्षेत्र के बदलाव, कम्पयूटर इंटरनेठ, मैट्रो ट्रेन आधुनिक तकनीकी के विमान अन्तरिक्ष यान आदि आकर्षित करते है।

प्र.3 सन् 1935–40 के लगभग लेखिका का बचपन शिमला में अधिक दिन गुजरा। उन दिनों के शिमला के विषय में जानने का प्रयास करो।
उ. लेखिका का बचपन अधिकांशतः शिमला में गुजरा। उन दिनों शिमला में विकास प्रारम्भ हो गया था। कतिपय रेस्टोरेंट व अच्छी बड़ी दुकाने देखने को मिल जाती थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र01 पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

उ0 लेखिका को चश्मा इसलिए लगवाना पड़ा क्योंकि उसकी आँखों की ज्योति, सही रोशनी में काम न करने के कारण कम हो गई थी। लेखिका के चचेरे भाई उसे 'सूरत बनी लंगूर की!' कहकर चिढ़ाते थे।

प्र02 लेखिका अपने बचपन में कौन–कौन सी चीजें मजा ले–लेकर खाती थी? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो?

उ0 लेखिका अपने बचपन में चॉकलेट, चने जोर गरम अनारदाने का चूर्ण एंव पेस्ट्रकी मनभावनी खुशबू उसे काउंटर ही आने लगती इसके अतिरिक्त वह चॉकलेट भी रात को बिस्तर पर लेट कर खाती थी। उनमें प्रमुख फल शिमला के काफल,चेस्टनट, रसभरी एंव कसमल आदि हैं।

प्र03 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।'– इस बात के लिए लेखिका क्या–क्या उदाहरण देती है?

उ0 लेखिका अपने समय व आज के समय का अन्तराल स्पष्ट करने के लिए निम्न उदाहरण देती है–
1– उन दिनो घरों में ग्रामोफोन थे, रेड़ियो, टेलीविज़न नही।
2– कुल्फी का स्थान आइसक्रीम ने ले लिया था।
3– कचौड़ी, समोसे का स्थान पैटीज ने ले लिया था।
4– साथ ही विभिन्न शरबतों का स्थान कोक–पेप्सी ने ले लिया था।

प्र.4 लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है, लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया है। अनुमान लगाओ कि सरवर कौन हो सकता है?
उ. मेरे विचार से सरवर ऐसा बालक रहा होगा, जिसकी उम्र दस बारह साल की रही होगी। वह लेखिका का परिचित भी हो सकता है। सरवर शिमला में न रहकर दिल्ली जैसे महानगर में रहने वाला होगा।

दीर्घ प्रश्न

प्र03 अपने बचपन की कोई रोचक घटना बताओ।
उ0 यह बात मेरे बचपन की है जबकि मुझे अपनी ही जिद के कारण पछताना पडा। एक बार की बात है मैने अपने पिताजी से परिक्षा में अच्छे अंक लाने पर स्कूटर की मांग की । मेरी कक्षा में दो –चार बच्चे ही स्कूटर से आते थे। मैं अपने दोस्तों के बीच शान दिखाना चाहता था इसलिए मैने पिताजी से कह दिया कि यदि आप मुझे स्कूटर नही लाकर देंगे तो मैं स्कूल नही जाऊँगा। पिताजी ने बहुत समझाया लेकिन मैने उनकी एक न सुनी और मैं स्कूल नही गया। पिताजी की आर्थिक स्थिति भी ज्यादा अच्छी न थी लेकिन उन्होंने किसी तरह व्यवस्था करके मुझसे कहा कि कल स्कूटर लेने चलेंगे। मैं तो खुश हो गया। कल्पना के पंखों पर उडने लगा। संयोग वंश उसी शाम मम्मी की तबीयत ज्यादा खराब हो गई उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना आवश्यक था। परन्तु मेरी मम्मी बार–बार मना कर रही थी। बस एक ही बात कह रही थी कि मेरी चिन्ता मत करो। पहले अपने बेटो को स्कूटर दिलवा दो। पिताजी ने कहा मुश्किल से अपने जमा सारे रूपए और मित्र से उधार मांग कर

St. Xavier's World School

भाषा की बात

1. क्रियाओं से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे मारना से मार, काटना से काट, हारना से हार, सीखना से सीख, पलटना से पलट और हड़पना से हड़प आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनी है। तुम भी इस संस्मरण से कुछ क्रियाओं को छाँटकर लिखो और उनसे भाववाचक संज्ञा बनाओ।

उ. क्रिया	भाववाचक संज्ञा
1. चमकना	चमक
2. भागना	भाग
3. बदलना	बदल
4. खरीदना	खरीद
5. औढ़ना	औढ़

2. नीचे लिखे वाक्यों को पढो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो–

उ. 1– मुझे दो दर्जन केले चाहिए।	संख्यावाचक विशेषण
2– दो किलो अनाज दे दो।	परिमाणवाचक विशेषण
3– कुछ बच्चे आ रहे हैं।	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
4– सभी लोग हँस रहे थे।	निश्चित संख्यावाचक विशेषण

3. कपड़ो में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी मौसी जानती थीं।
ठस वाक्य में रेखांक्ति शब्द दिलचस्पियाँ और 'मौसी' संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण है। सर्वनाम कभी–कभी विशेषण का काम भी करते हैं। पाठ में से ऐसे पाँच उदाहरण छाँटकर लिखो।

उ. 1. मैं तुमसे कुछ इतनी बडी हूँ कि तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ नानी भी।
2. बचपन में हमें अपने मोजे खुद धोने पड़ते थे।
3. हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगाते।
4. कुछ एकदम लाल, कुछ गुलाबी, रसभरी कसमल।
5. मैंने अपने छोटे भाई का टोपा उठाकर सिर पर रखा।

अतिरिक्त कार्य :–

1. रिक्त स्थान

1. शिमला के काफल भी बहुत याद आतें हैं ।
2 छुटपन में हमने शिमला रिज पर बहुत मजे किए हैं ।
3. सामने आकाश पर सूर्यास्त हो रहा हैं ।
4. गुलाबी सुनहरी धारियाँ नीले आसमान पर फैल रही हैं ।
5. गाड़ी के माडॅलवाली दुकान के साथ एक और ऐसी दुकान थी जो मुझे कभी नहीं भूलती ।
6. शुरू–शुरू में चश्मा लगाना बड़ा अटपटा लगा ।

उच्च तार्किक क्षमता के प्रश्नः–

प्र01 नेत्रों की देखभाल कैसे करनी चाहिए? इस संबंध में तीन वाक्य लिखिए।
उ0 नेत्रों की देखभाल करते समय हमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि नेत्र हमारे शरीर का कोमल एंव आवश्यक अंग है। इसके लिए हमें सर्वप्रथम–
1– नेत्रों की साफ पानी से अच्छी तरह सफाई करनी चाहिए।
2– नेत्रों की ज्योति के लिए 'विटामिन ए'युक्त भोजन पर्याप्त मात्रा में लेना चाहिए।
3– पढ़ाई करते समय समुचित रोशनी होना अत्यन्त आवश्यक है। कभी लेट कर पढ़ाई नहीं करनी चाहिए।

St. Xavier's World School

प्र02 यातायात के विभिन्न साधनों की सूची बनाइए।

उ. बैलगाडी तॉगा मैटो मोटर साईकिल
रेल स्कूटर रिक्शा जीप
साईकिल हवाईजहाज स्कूटर ऑटो रिक्शा

मूल्यपरक प्रश्नः–

प्र. शैक्षिक भ्रमण के लाभ बताइए।

उ01 शैक्षिक भ्रमण के अनेक लाभ हैं–

1– प्रतिदिन की दिनचर्या से बदलाव आता है जिससे बच्चे पुनः मानसिक रुप से स्वस्थ एंव तनाव मुक्त अनुभव करता है और पुनः पढ़ाई में एकाग्र चित्र होकर शिक्षा ग्रहण कर सकता हैं।

2– शैक्षिक भ्रमण से हमारा सामाजिक भौगोलिक ज्ञान का स्तर कभी उच्च स्थान पर आसान हो सकता है।

पाठ पर आधारित रचनात्मक मूल्यांकनः– अनुभव लेखन

प्र.1 चश्में का चित्र बनाकर पाँच वाक्य लिखिए।

उ.

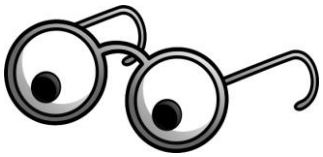

1. चश्में नेत्रो की रक्षा करते हैं।

2. चश्में दो प्रकार के होते है–क. धूप से बचाव के लिए रंगीन चश्मा।

3. सूर्य किरणें से हमारी आँखो को धूप का चश्मा बचाया है। यह अधिकांशतः काले, भूरे रंग के लैंस वाला होता है।

4. नेत्र–दृष्टि की सुरक्षा के लिए सफेद लैंस वाले चश्में का प्रयोग किया जाता है।

5. चश्मा हमारे सौंदर्य में भी वद्धि करता है।

St. Xavier's World School

St. Xavier's
World School

पाठ – 3 नादान दोस्त

पाठ परिचय

'मुंशी प्रेमचन्द' द्वारा 'नादान दोस्त' नामक जिज्ञासा का वर्णन के अंडो के विषय में किया है । जो बहुत अधिक उत्सुक थे । उन्होंने अपनी नादानी के कारण चिड़िया के अंडों को आराम देने के लिए उनको छूकर बेकार कर दिया था जिससे चिड़िया ने उनको गिराकर नष्ट कर दिया ।

पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नः–

प्र.1 क्या आपने गौरया को देखा है?
उ. हाँ, हमने गौरया को अपने–अपने घरो एंव आसपास के क्षेत्रों में देखा है।

प्र.2 गौरया क्या–क्या खाती है?
उ. अनाज के दाने

प्र.3 चिडिया अंडो को क्यों सेती है?
उ. उसमे से बच्चे उत्पन्न होते हैं।

शब्द–अर्थ

शब्द	अर्थ
1. फुरसत	आराम
2. तसल्ली	दिलासा
3. पर	पंख
4. पेचीदा	कठिन
5. जिज्ञासा	जानने की इच्छा
6. अधीर	बैचेन
7. स्वीकृत	मंजूर
8. हिकमत	तरीका, उपाय
9. हिफाजत	सुरक्षा
10. कसूर	गलती

लघु प्रश्न

प्र1. अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे ? आपस में ही सवाल जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दिया करते थे ?
उ. केशव और श्यामा के मन में अंडों के आकार, रंग, संख्या, भोजन उन अंडों में से बच्चों के पंख कैसे होंगे आदि सवाल उठते थे । वे आपस में सवाल जबाव करके अपने दिल को तसल्ली इसलिए दे दिया करते थे क्योंकि उनके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए उनकी अम्मा व बाबू जी के पास समय नहीं था ।

प्र2. केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी, और दाना–पानी मंगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे ?
उ. केशव और श्यामा को अंडों से बहुत लगाव था । वे अंडों को सुरक्षित रखना चाहते थे, इसलिए केशव ने श्यामा से चिथड़े टोकरी, और दाना पानी मँगाकर कार्निस पर रखा ।

प्र3. केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी ?
उ. केशव और श्यामा ने अपनी तरफ से चिड़िया के अंडों की रक्षा की थी । उन दोनों ने तो चिड़िया और अंडों को धूप से बचाने तथा उनके खाने–पीने का प्रबंध किया था कि उनके ऐसा करने ऐसा करने

St. Xavier's World School

से अंडे बेकार हो जाएँगें और चिड़िया उन्हें फोड़ देगी ।

प्र.4 पाठ पढ़कर मालूम करो कि दोनों चिड़िया वहाँ क्यों न दिखाई दी ? वे कहाँ गई होगी ? इस पर अपने दोस्तो के साथ मिलकर बातचीत करो ?

उ. दोनों चिड़िया वहाँ इसलिए नहीं दिखाई दी क्योंकि उनके अंडे वहाँ सुरक्षित नहीं थे । उन्हें डर था कि यदि वे यहाँ रही तो अगली बार भी उनके अंडों के साथ ऐसा ही हो सकता है । दोनों चिड़ियाँ किसी अन्य स्थान पर चली गई होगी, जहाँ उन्हें बच्चों से कोई खतरा न हो या फिर वे जंगल में कहीं गई होगी ।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्र1. केशव और श्यामा ने अंडो के बारे में क्या–क्या अनुमान लगाए ? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या लगाते ?

उ. केशव आष्कर श्यामा ने अंडों के बारे में निम्नलिखित अनुमान लगाए

1. केशव और श्यामा ने अंडो से बच्चे निकल आए होंगे ।
2. चिड़िया इतना दाना कहाँ से निकली ।
3. गरीब बच्चे इस तरह तो भूख से मर जाएँबे ।

यदि केशव और श्यामा की जगह मैं होती तो निम्नलिखित कार्य करती

1. बच्चे निकल आए है या नहीं पाठ देखती ।
2. मैं उन अंडो को छूती नहीं ।
3. अंडे में से बच्चों के निकलने का इंतजार करती हैं ।
4. बच्चों के निकलने के बाद वहाँ पर उन्हें खाने के लिए दाना–पानी का इंतजाम करती जिससे बच्चे भूखे–प्यासे न रहे ।

प्र2. माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए ? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया ?

उ. दोपहर के समय माँ पहले दोनों को खुलाकर सोती थी। उन्होंने माँ के पुछने पर भी बाहर निकलने का कारण इसलिए नहीं बताया क्योंकि वही समय ऐसा था जब वे बाहर आकर चुपचाप बच्चों को देख सकते थे। यदि माँ उनको देख लेती तो अंडो को हाथ न लगाने देती। दूसरे उन्होनें माँ के पूछने पर भी कारण इसलिए नही बताया क्योंकि वे एक–दूसरे की पिटाई नहीं चाहती थे।वैा भी दोनो इस कसूर में बराबर हिस्सेदार थे।

भाषा की बात

प्र01 पुरुषवाचक सर्वनामो को छांटकर रेखा खीचों–

एकदिन दीपू और नीलू यमुना तट पर बैठे शाम की ठंड़ी हवा का आनंद ले रहे थे। तभी **उन्होंने** देखा कि एक लंबा आदमी लडखडाता हुआ **उनकी** ओर चला आ रहा है। पास आकर **उसने** बड़े दयनीय स्वर में कहा, '' **मैं** भूख से मरा जा रहा हूँ। क्या **आप मुझे** कुछ खाने को दे सकते हैं?''

उ0 उन्होंने
उनकी
उसने
मैं
मुझे
आप

प्र02 विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ।

उ.

गुणवाचक विशेषण	वाक्य
ईमानदार	राम ईमानदार लड़का है।
बाहरी	घर की बाहरी दीवार गंदी है।
नीला	उसकी कमीज का रंग नीला है।

St. Xavier's World School

सुंगधित यह सुगंधित फूल हैं।

प्र03 पाँच क्रियाविशेषणों का वाक्यों में प्रयोग करो।

1. **झुंझलाकर** – अपराधी ने जज को झुंझलाकर जबाब दिया।
2. **बनाकर** – तुम रोनी सी सूरत बनाकर क्यों घूम रहे हो।
3. **घबराकर** – शोर सुनते ही वह घबराकर उठ बैठा।
4. **टिकाकर** – उसने दीवार से पीठ टिकाकर आराम किया।
5. **गिड़गिड़ाकर** – चोर पुलिस के सामने गिड़गिड़ाकर रोने लगा।

प्र04 विराम चिन्ह लगाओ।

उ0 उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया। 11 बज चुके थे चारों तरफ सन्नाटा छा गया था। पंड़ित जी ने बुलाया, ''खोमचेवाले'', खोमचेवाले, ''कहिए क्या दूँ? भूख लग आई न । अन्न–जल छसेडना साधुओं का काम है। हमारा आपका नहीं।'' मोटेराम, ''अबे क्या कहता है? यहाँ क्या किसी साधु से कम है। चाहे तो महीने पड़े रहे और भूख न लगे तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि जरा अपनी कुप्पी मुझे दे। देखूँ तो वहाँ क्या रेंग रहा है? मुझे भय होता है।''

उच्च तार्किक क्षमता के प्रश्नः–

प्र01 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे।
उ0 इस कहानी के यह शीर्षक हो सकते हैं।

'केशव और श्यामा'
'बच्चों की नादानी'
'जिज्ञासूक प्रर्वृत्ती'
'दया भाव'

प्र02 यदि तुम केशव और श्यामा के स्थान पर होते तो अंड़ो के बारे में क्या–क्या अनुमान लगाते?
उ– यदि हम केशव और श्यामा के स्थान पर होते तो अंड़ो के बारे में यह अनुमान लगाते कि अंडे किस रंग के होगें ? उसमे से बच्चे किस प्रकार बाहर निकलेगें ?

प्र03 इस पाठ में गरमी के दिनो की चर्चा है। अगर सरदी या बरसात के दिन होते तो क्या–2 होता?
उ. अगर बरसात के दिन होते और कार्निस पर चिड़िया के अंडे होते तो इन अंडों को पानी से भीगने तथा बहकर गिरने से बचाना होता । पाले से उन्हें बचाना पड़ता तथा उनके लिए भोजन और पानी का इंतजाम करना होगा । अगर सरदी या बरसात के दिन होते तो चिडिया का घोसला भीग जाता । चारो ओर पानी ही पानी होता।चिडिया को अपने घोसले और अंडो को पानी से बचाना पडता।

मूल्यपरक प्रश्नः–

प्र 1 अपने प्रिय मित्र में आप कौन–2 से गुण देखना चाहेंगे?
उ0 अपने प्रिय मित्र निम्न गुण देखना चाहते है–

1. सच्चाई
2. ईमानदारी
3. घनिष्ठता
4. चरित्रवान
5. सज्जनता
6. मधुर वचन

St. Xavier's World School

पाठ पर आधारित रचनात्मक मूल्यांकनः– (संवाद लेखन)

प्र01 केशव और श्यामा का संवाद लिखिए।

उ. केशव–श्यामा देख यहाँ तीन अंडे है ।
श्यामा–भैया छूना नही,गिर जाएगें।
केशव–अगर छुआ नही तो तुझे कैसे दिखाउँगा ?
श्यामा–कितने बडे है अंडे
केशव–अरे अंडे गिर गए!

St. Xavier's World School

St. Xavier's
World School

पाठ – 4 'चाँद से थोडी–सी गप्पें'

पाठ परिचय–

प्रस्तुत कविता में बाल सुलभ कल्पनाओं का अतयंत सुंदर ढ़ग से वर्णन किया है। बच्चों ने चाँद से अनेक ढंग से अपना रिश्ता जोड़ रखा है। वे चाँद को देखकर अनेक कल्पनाएँ करते हैं। इस कविता में छोटी लड़की आकाश को चाँद का वस्त्र समझती है, जिस पर सितारे जड़े है। चाँद का यह वस्त्र सभी दिशाओं में फैला है। उस वस्त्र में केवल चाँद का गोरा–चिट्टा मुँह ही दिखता है। कविता के अंत में वह चाँद के घटने–बढ़ने को बीमारी बताती है।, जो ठीक होने को ही नही आती।

पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नः–

प्र.1 बच्चों क्या आप जानते हैं रात्री का ईश कौन है?
उ. हॉ चंद्रमा

प्र.2 बच्चों चन्द्रमा को आप किस नाम से जानते है ?
उ. चंदा मामा

प्र.3 क्या आप जानते हो चन्द्रमा किस दिन गोल होता है?
उ. पूर्णमासी को

शब्द–अर्थ

	शब्द	**अर्थ**
1.	गोकि	यद्यपि, हालाँकि
2.	निरा	पूरा
3.	मरज	बीमारी
4.	दम	साँस
5.	सिम्त	दिशाँए

अति लघु प्रश्न

प्र01 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' के माध्यम से लड़की कहना चाहती हकि –
क. चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है ।
ख. चाँद की पोशाक चारों दिशाओं में फैली हुई है ।
तुम किसे सही मानते हो ।
उ. आप पहने हुए हैं कुल आकाश कहकर लड़की यह कहना चाहती है कि तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है । हम भी इसे ही सही मानते हैं ।

लघु प्रश्न–

प्र01. कवि ने चाँद से गप्पे किस दिन लगाई होंगी? इस कविता में आई बातों की मदद से अनुमान लगाओ और उसका कारण भी बताओ?
उ0 कवि ने चाँद से पूर्णिमा के दिन गप्पें लगाई होंगी क्योंकि पूरी कविता में कवि गोल–मटोल चन्द्रमा की बात ही कर रहा है और गोल चन्द्रमा पूर्णिमा की रात्री में ही होता है।

प्र0 तुम कविता के और किन शब्दों को चित्र की आकृति देना चाहोगे? ऐसे शब्दों का अपने ढ़ंग से लिखकर दिखाओ?

उ0 हम कविता के निम्न शब्दों को चित्र का आकृति देकर इस प्रकार लिखना चाहेंगे–

St. Xavier's World School

गोल–मटोल शब्द को – गोल–मटोल।
घटते शब्द को – घटते
बढ़ते शब्द को – बढ़ते।

दीर्घ प्रश्न–

प्र1. कुछ लोग बड़ी जल्दी चिढ़ जाते है । यदि चाँद का स्वभाव भी आसानी से चिढ़ जाने हो तो वह किन बातों से सबसे ज्यादा चिढ़ेगा ? चिढ़कर वह उन बातों का क्या जवाब देगा ? अपनी कल्पना से चाँद की ओर से दिए गए जवाब लिखो ।
उ. चाँद के घटते–बढ़ते आकार को कभी न ठीक होने वाला रोग कहने की बात पर वह सबसे ज्यादा चिढ़ेगा । चाँद जवाब देगा मुझे कोई बीमारी नहीं है । मैं तो एकदम ठीक हूँ, बीमारी तुमको होगी, तुम्हारे परिवार वालों को होगी । मैं तो अपनी इच्छानुसार छोटा बड़ा हो सकता हूँ। तुम नहीं हो सकते।

प्र2. यदि कोई सूरज से गप्पे लगाए तो वह क्या लिखेगा । अपनी कल्पना से गद्य या पद्य में लिखो । इसी तरह की कुछ और गप्पे निम्नलिखित में से किसी एक या दो से करके लिखो –
पेड़, बिजली का खभा, सड़क, पेट्रोल पंप
उ. सूरज से गप्पे लगाने पर सूरज, तुम तो हमेशा ही गुस्से में लाल रहते हो । सुबह–शाम तो कम परन्तु दोपहर में तो आग बरसाते हो जिस कारण भागकर घर में शरण लेनी पड़ती है । रात को जब अँधेरे पर तुम्हारा कोई जोर नहीं । तुम्हारी और आँख उठाकर भी ठीक से देखा नहीं जा सकता ।

पेड़ से गप्पे

पेड़ तुम कितने परोपकारी हो, तुम मीठे फल देते हो । तुम्हारी डालों पर चिड़िया बैठकर चहचहाती हैं तथाब अपना बसेरा घोंसलों के रूप में बनती हैं। तुम्हारे होने से ही पृथ्वी का पर्यावरण संतुलित बना रहता है । तुम सर्दी, गर्मी, बरसात सभी सहते हो । तुम अपन लिए अपने लिए एक बार क्यों नहीं बना लेते, तो एक बहुत बड़े घर से आवश्यकता पड़ेगी । तुम्हारी छाया में अनेक यात्री आकर बैठते है।

सड़क से गप्पे

सड़क, तुम बहुत सहनशील हो, सब तुम्हें पैरों से कुचलते हैं, अनेक वाहन तुम्हारे ऊपर से दिन–रात लगातार गुजरते हैं पर न तो तुम बुरा मानती हो और न ही तुम्हें कभी भला बुरा कहती हो क्योंकि तुम बोल नहीं सकती । तुम लोगों एक जगह से दुसरी जगह पर पहुँचाती हो लोग भी कहते है कि यह सड़क वहाँ जाती है किन्तु मैं तुम तुम्हें हमेशा यही देखती हूँ तुम कहीं नहीं जाती ।

भाषा की बात

प्र01 क निम्न शब्दों में कौन सा प्रत्यय जुडने पर विशेषण बन रहे हैं
ख– इन विशेषणों के लिए एक–एक उपयुक्त संज्ञा भी लिखिए–

गुलाबी पगडी	**मखमली घास**	**कीमती गहने**
ठंडी रात	**जंगली फूल**	**कश्मीरी भाषा**

उ.

शब्द	प्रत्यय	विशेषण	संज्ञा शब्द के साथ

St. Xavier's World School

गुलाब	ई	गुलाबी	गुलाबी नगर
मखमल	ई	मखमली	मखमली चादर
कीमत	ई	कीमती	कीमती छड़ी
ठंड	ई	ठंडी	ठंडी आइसक्रीम
जंगल	ई	जंगली	जंगली जानवर
कश्मीर	ई	कश्मीरी	कश्मीरी शाल

प्र02– चार युग्म सोचकर लिखो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो–

उ0

	मिलते–जुलते अर्थ वाले शब्द	वाक्य प्रयोग
1–	दुःख दर्द	हमें मजदूरों का दुःख दर्द समझना चाहिए।
2–	जादू–टोना	जादू टोने का भरोसा छोडकर अब कुछ काम करना शुरु कर दो।
		अच्छे फलों के साथ यह सड़ा गला फल मत तोलो।
3–	सड़ा–गला	वह इतना सीधा सादा नही है, जितना तुम समझ रहे हो।
4–	सीधा–सादा	

प्र03 ऐसे तीन शब्द सेंचकर, वाक्य बनाओ जिनके दो–दो अर्थ निकलते है–

उ0

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
अंबर	क– वस्त्र	भगवान विष्णु **पीतांबर** धारण करते हैं।
	ख– आकाश	वर्षा के उपरान्त **अंबर** भी स्वच्छ एंव नीला दिखाई देता है।
तीर	क– बाण	अपने मनोरंजन के लिए पक्षी पर **तीर** मत चलाओ ।
	ख– किनारा	नदी के **तीर** पर पशु पानी पी रहे हैं।
अंक	क– गोद	माँ के **अंक** में बच्चा सुरक्षित महसूस करता है।
	ख– गिनती	परीक्षा में अच्छे **अंक** पाने से बच्चा अपने माता–पिता सहित प्रसन्न है।

प्र.4 ताकि, जबकि, चूँकि, हालाँकि–शब्द दो वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं । इन शब्दों का प्रयोग करते हुए दो–दो वाक्य बनाओ

उ. 1. ताकि 1. अपराधी को दंड मिलना चाहिए ताकि वह फिर से ऐसा न करे।
2. यह रास्ता बंद कर रखा है ताकि कोई इधर न आ सके ।

2. जबकि 1. तुम अभी तक सो रहे हो जबकि मैं पढ़ रहा हूँ ।
2. तुमने अभी तक खाना भी नहीं खाया जबकि मैं तैयार लेकर भी आ गया हूँ ।

3. चूँकि 1. चूँकि मैं बीमार हूँ इसलिए आज स्कूल नहीं आऊँगी ।
2. चूँकि बस खराब हो गयी थी । इसलिए मै। समय पर नहीं नहीं पहुँच सका ।

4. हालाँकि 1. हालाँकि इस वर्ष वर्षा कम हुई फिर भी फसल अच्छी हुई है ।
2. हालाँकि मैं बहुत थका हुआ हूँ फिर भी मैं तुम्हारे साथ चलूँगा।

प्र5. गप्प, शप–शप, गप्प बाजी इन शब्दों के अर्थो में अन्तर हैं । तुम्हें क्या लगता है ? लिखो ।

उ.

शब्द	अर्थ
1. गप्प	अविश्वसनीय व काल्पनिक, बेकार की बातें
2. गप–शप	निरूद्देय बातें
3. गप्पबाजी	काल्पनिक व निरूद्देय बातें करने जाना ।

St. Xavier's World School

प्र.6 नीचे दो प्रकार के कैंलेंडर दिए गए । इन्हें देखो और प्रश्नों के उत्तर दो ।

1. ऊपर दिए गए कैलेंडरों में से किस कैंलेडर में से किस कैंलेडर में पहुँचा के अनुसार महीने के दिन दिए गए हैं ।

2. दिए दोनों कैंलेडरों के अंतर स्पष्ठ करो ।

3. कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष का क्या अर्थ होता है ।

उ1. संवत 2063 चंद्रमा के अनुसार है ।

उ2. पहला कैंलेंडर चंद्रमा के अनुसार व दूसरा कैंलेंडर पृथ्वी के भ्रमण के अनुसार है । पहले को हिन्दी कैंलेंडर व दूसरे को अंग्रेजी कैंलेंडर के नाम से जाना जाता है । पहले कैंलेंडर का प्रयोग राष्ट्रीय पर्वो को मनाने, सरकारी छुट्टियों व दैनिक कार्यो को पूरा करने के लिए किया जाता है ।

उ3. शुक्ल पक्ष जब चन्द्रमा शुरू के दिनों में बिल्कुल पतला होता है तथा बाद में मोटा (बड़ा) होता जाता है तब इस पंद्रह दिन की अवधि को शुक्ल पक्ष कहते हैं । इन दिनों में चंद्रमा शाम के समय जल्दी निकलता है ।

कृष्ण पक्ष जब चन्द्रमा प्रतिदिन शाम को नहीं निकलता बल्कि देर रात में निकलता है तथा इसके दिखने की अवधि घटती जाती है और अंत में पूरी रात नहीं दिखता है, तब इस पंद्रह दिन की अवधि को कृष्ण पक्ष कहते है ।

2. निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए

1. गोल है खुब.....चारों सिक्त ।

प्रसंग. प्रस्तुत पंद्याश हमारी पाठ्य पुस्तक ''बंसत भाग–1'' 'चाँद से थोड़ी सी गप्पे' नामक कविता से लिया गया है ।
संदर्भ. कवि ने इन पंक्तियों में बाल सुलभ कल्पनाओं में चाँद के तारों जड़ित वस्त्र का वर्णन किया है ।
व्याख्या. एक दस–ग्यारह साल की लड़की चाँद को देखकर कहती है कि चाँद आप तो खूब गोल हैं, पर आप जरा सी तिरछे दिखाई पड़ते हैं । आसमान मे चमकते तारे आपके कपड़े पर जड़े हुए सितारे हैं । आपका शरीर वस्त्र से ढका है केवल आपका गोरा, चिट्टा, सुंदर गोल मुँह ही दिखाई देता है । आपकी यह पोशाक सभी दिशाओं मैं फैली हुई है ।

2. आप कुछ तिरछे.....आता है ।

प्रसंग– प्रस्तुत पंद्याश हमारी पाठ्य पुस्तक ''बंसत भाग–1'' 'चाँद से थोड़ी सी गप्पे' नामक कविता से लिया गया है ।
संदर्भ– इन पंक्तियों में लड़की चाँद को देखकर कहती है कि आपका यह घटता–बढ़ना बीमारी है ।
व्याख्या– लड़की चाँद को देखकर कहती है कि चाँद, आप थोड़ा सा तिरछे दिखाई पड़ते हो । यद्यपि आप भी खूब हैं वाह ! आपने तो हमें पूरा बेवकूफ या कम अक्ल समझ रखा है, जैसे कि हमें कुछ पता ही नहीं । हम भी आपको खूब समझते हैं कि आपको बीमारी है । आप घटकते हो तब बढ़कर पूरी तरह गोल–मटोल हो जाते हो । आपकी यह बीमारी कभी भी ठीक होने को नहीं जाती है ।

उच्च तार्किक क्षमता के प्रश्नः–

प्र01 चन्द्रमा के वास्तविक स्वभाव के बारे में आप क्या जानते हैं?

उ0 चन्द्रमाका वास्तविक स्वभाव परिवर्तनशील है। मास में पंद्रह–पंद्रह दिनों के दो पक्ष होते हैं प्रथम पंद्रह दिनों में चन्द्रमा अपना आकार बझाते हुए पूर्णिमा तक पहुँचता है तथा दूसरे पन्द्रह दिनो में वह अपना आकार घटाना हुआ अमावस्या तक पूर्णतः लुप्त हो जाता है।

प्र.2 संवत के बारह महीनो के नाम लिखिए?

उ. चैत्र, वैसाखी, जयेष्ठ, आषाढ़, श्रावण, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन।

St. Xavier's World School

मूल्यपरक प्रश्न –

प्र. शारिरिक सौन्दर्य ही सम्पूर्ण नही है। सिद्ध कीजिए।

उ.1 इस नश्वर जगत में मानव मात्र की प्रबल मनोवृत्ति है सौन्दर्य के प्रति आकर्षण। परन्तु जहाँ तक सम्पूर्णता का प्रश्न है तो कोई भी व्यक्ति शारिरिक सौन्दर्य से पूर्ण नहीं होता वास्तविक सौन्दर्य तो आन्तरिक सौन्दर्य तो आन्तरिक सौन्दर्य है जो सत्य, परोपकार कर्मठता, सद्चरित्र जैसे गुणों से उभरता है। यही गुण अनश्वर हैं। शारिरिक सौन्दर्य तो अस्थाई है, छलाबा है।

प्र.2 कतिपय व्यक्ति बहुत जल्दी चिढ जाते हैं। क्या यह उचित है?

उ. चिढ़ना मानव की अव्यस्कता का परिचय देता, जो कदापि उचित नही है। व्यस्क विचाराधारा वाला व्यक्ति ऐसी छोटी–छोटी मनोवृत्ति से ऊपर उठकर उस चिढ़ने, चिढ़ाने के पीछे के वास्तविक कारण को देखने समझने का प्रयत्न करता है।

पाठ पर आधारित रचनात्मक मूल्यांकनः–

- कैलेंडर निर्माण

जनवरी | पौष-माघ २०७१

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सोमवती अमावस्या, मंगलवारी चतुर्थी, बुधवारी अष्टमी व रविवारी सप्तमी को किये गये जप, तप, मौन, ध्यान आदि का प्रभाव अक्षय होता है।				१ 1 पौष शु.प. पुत्रदा एकादशी	२ 2 द्वादशी, प्रदोष व्रत	३ 3 त्रयोदशी
४ 4 चतुर्दशी, पूर्णिमा	५ 5 पौषी पूर्णिमा	६ 6 माघ कृ.प. प्रतिपदा	७ 7 द्वितीया	८ 8 तृतीया, संकष्ट चतुर्थी	९ 9 चतुर्थी	१० 10 पंचमी
११ 11 षष्ठी	१२ 12 सप्तमी	१३ 13 अष्टमी	१४ 14 मकर संक्रांति, नवमी	१५ 15 मकर संक्रांति, दशमी	१६ 16 षट्तिला एकादशी	१७ 17 षट्तिला एकादशी द्वादशी
१८ 18 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	१९ 19 चतुर्दशी	२० 20 अमावस्या	२१ 21 माघ शु.प. प्रतिपदा	२२ 22 द्वितीया	२३ 23 तृतीया/ विनायक चतुर्थी	२४ 24 वसंत पंचमी, सरस्वती पूजा
२५ 25 षष्ठी	२६ 26 सप्तमी	२७ 27 भीष्माष्टमी	२८ 28 नवमी	२९ 29 दशमी	३० 30 जया एकादशी	३१ 31 द्वादशी

• लाल हिन्दी या अंग्रेजी अंक : सम्भावित छुट्टी

St. Xavier's World School